Result Mitra™

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

16

ऐंटी टैंक मिसाइल नाग MK-2 का सफल परीक्षण

भारत ने हाल ही में स्वदेशी रूप से विकसित तीसरी पीढ़ी की ऐंटी टैंक गाइडेड मिसाइल नाग- MK-2 का सफल परीक्षण किया है।

- यह परीक्षण राजस्थान के पोखरण-फील्ड रेंज में किया गया।
- रक्षा मंत्रालय के अनुसार नाग- MK-2 मिसाइल- फायर एंड फॉरगेट तकनीकि पर आधारित है।

फॉयर एण्ड फॉरगेट मिसाइलों के भारत में उदाहरण

- नाग
- अस्त्र
- ब्रह्मोस

@resultmitra
www.resultmitra.com

एंटी टैंक मिसाइल नाग MK-2 का सफल परीक्षण

नाग मिसाइल (Nag Missile) का परिचय:

- नाग भारत की स्वदेशी थर्ड जनरेशन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (ATGM) है, जिसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO)द्वारा विकसित किया गया है।
- इसका मुख्य उद्देश्य दुश्मन के टैंकों और आर्मर्ड व्हीकल्स को नष्ट करना है।
- यह मिसाइल भारत की इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IGMDP)का हिस्सा है।

नाग Mk-2 मिसाइल के मुख्य बिंदु:

1. मिसाइल का प्रकार:
    - फायर एंड फॉरगेट तकनीक पर आधारित।
    - थर्मल इमेजिंग सिस्टम का उपयोग करके लक्ष्य को खोजने और नष्ट करने की क्षमता।
2. **मारक क्षमता (Range):**
    - नाग Mk-2 की प्रभावी रेंज 500 मीटर से 7 किमी तक है।
    - यह एक मध्यम-रेंज मिसाइल है।
3. **प्लेटफॉर्म:**
    - इसे मुख्य रूप से NAMICA (Nag Missile Carrier) नामक प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जाता है।
    - NAMICA को विशेष रूप से नाग मिसाइल के लिए डिजाइन किया गया है और यह BMP-II टैंक पर आधारित है।
4. **लक्ष्य भेदन क्षमता:**
    - यह आधुनिक एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम (APS) से लैस टैंकों को भेदने में सक्षम है।
    - यह टैंडम वारहेड तकनीक का उपयोग करती है, जो टैंकों के एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर (ERA) को नष्ट कर सकती है।
5. **गति:**
    - यह सबसोनिक गति (ध्वनि की गति से कम) से चलती है।

Result Mitra

फैज अहमद किदवई नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के महानिदेशक

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी फैज अहमद किदवई को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया।

- ये मध्यप्रदेश कैडर के 1996 बैच के अधिकारी हैं
- डीजीसीए विमानन से जुड़े नियमों और नियमों का पालन सुनिश्चित करता है।
- डीजीसीए विमानन से जुड़े दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच करता है।
- ये विमानन से जुड़े लाइसेंस जारी करता है
- ये विमानन से जुड़े प्रशिक्षण का प्रबंधन करता है।
- इसका मुख्यालय दिल्ली में है।

16 | Jan | 22

Result Mitra
@resultmitra www.resultmitra.com

फैज अहमद किदवई नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के महानिदेशक

DGCA में फैज अहमद किदवई की नियुक्ति का महत्व:

1. भारत का बढ़ता विमानन क्षेत्र:
    - भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार है और DGCA की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण हो रही है।
    - फैज अहमद किदवई की नियुक्ति भारत के विमानन क्षेत्र में सुधार और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए की गई है।
2. सुरक्षा पर जोर:
    - हाल के वर्षों में विमान दुर्घटनाओं और तकनीकी खामियों के मद्देनजर, DGCA की प्राथमिकता सुरक्षा प्रबंधन है।
    - अंतरराष्ट्रीय विमानन एजेंसियों के साथ समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।
3. ड्रोन और एयर टैक्सी का नियमन:
    - भारत में ड्रोन और एयर टैक्सी जैसी उन्नत तकनीकों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से अपनाने के लिए नीति और नियमों को सुदृढ़ किया जाएगा।

Result Mitra

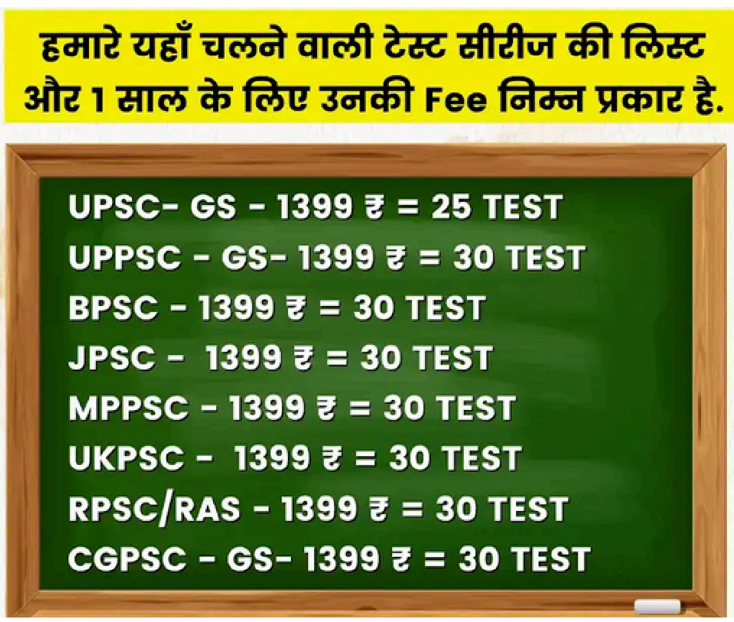

गान-नगाई उत्सव - एकता और परम्परा का मणिपुरी उत्सव

- गान-नगाई उत्सव मणिपुर के जेलियांग्रोंग समुदाय का एक प्रमुख त्यौहार है जो फसल कटाई के बाद मनाया जाता है।

- इस वर्ष यह उत्सव 10 जनवरी 2025 को सागोलबंद रामजी काबुई गाँव में आयोजित किया गया।

- इस उत्सव के दौरान ग्रीन इंफाल ग्रीन मणिपुर अभियान शुरू किया गया।

- मणिपुर भारत के पूर्वोत्तर में स्थित एक राज्य है। जिसकी राजधानी इंफाल है।

- मणिपुर के मूल निवासी मैतेई जनजाति के लोग है।

- यहाँ बाँस की 55 प्रजातियां पाई जाती है।

- यह भारत के सबसे बड़े बाँस उत्पादक राज्यों में से एक है।

-

16/Jan/P3

गान- नगाई उत्सव - एकता और परम्परा का मणिपुरी उत्सव

गान-नगाई उत्सव का परिचय:

1. समुदाय:
   - यह उत्सव मुख्य रूप से ज़ेलियांग्रोंग नागा जनजाति (Zeliangrong Naga Tribe) द्वारा मनाया जाता है।
   - ज़ेलियांग्रोंग समुदाय तीन नागा जनजातियों (ज़ेमे, लियांगमेई, और रोंगमेई) का एक समूह है।
   - यह नागालैंड, असम, और मणिपुर में बसे हुए हैं।
2. उत्सव का उद्देश्य:
   - फसल कटाई के बाद का त्योहार (Post-Harvest Festival)।
   - धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव, जिसमें पूर्वजों को सम्मान दिया जाता है और समुदाय में एकता और भाईचारे का संदेश फैलाया जाता है।
3. समय:
   - यह त्योहार हर साल दिसंबर के अंत या जनवरी की शुरुआत में मनाया जाता है।
   - यह पारंपरिक कैलेंडर के अनुसार गाड़ीपुई माह (Gaadi Pui Month) के पहले दिन से शुरू होता है।
4. अवधि:
   - उत्सव 5-7 दिनों तक मनाया जाता है।

5. प्रकार:
   - यह फसल कटाई का त्योहार (Post-Harvest Festival) है।
   - साथ ही, यह धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का भी प्रतीक है।

गान-नगाई उत्सव और सरकारी प्रयास

- संवैधानिक संरक्षण:
    - भारत का संविधान अनुच्छेद 29 और अनुच्छेद 51ए (एफ) के तहत आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने का समर्थन करता है।
    - गान-नगाई जैसे त्योहार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण में योगदान देते हैं।
- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल:
    - यह उत्सव पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करता है और पूरे देश में एकता के संदेश को फैलाता है।
- पर्यटन और सांस्कृतिक पहल:
    - सरकार पूर्वोत्तर राज्यों में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ चला रही है।
    - गान-नगाई जैसे त्योहार इस प्रयास को सफल बनाने में मदद करते हैं।
- जनजातीय कल्याण योजनाएँ:
    - सरकार ज़ेलियांग्रोंग जैसे समुदायों के लिए शिक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण पर विशेष ध्यान दे रही है।

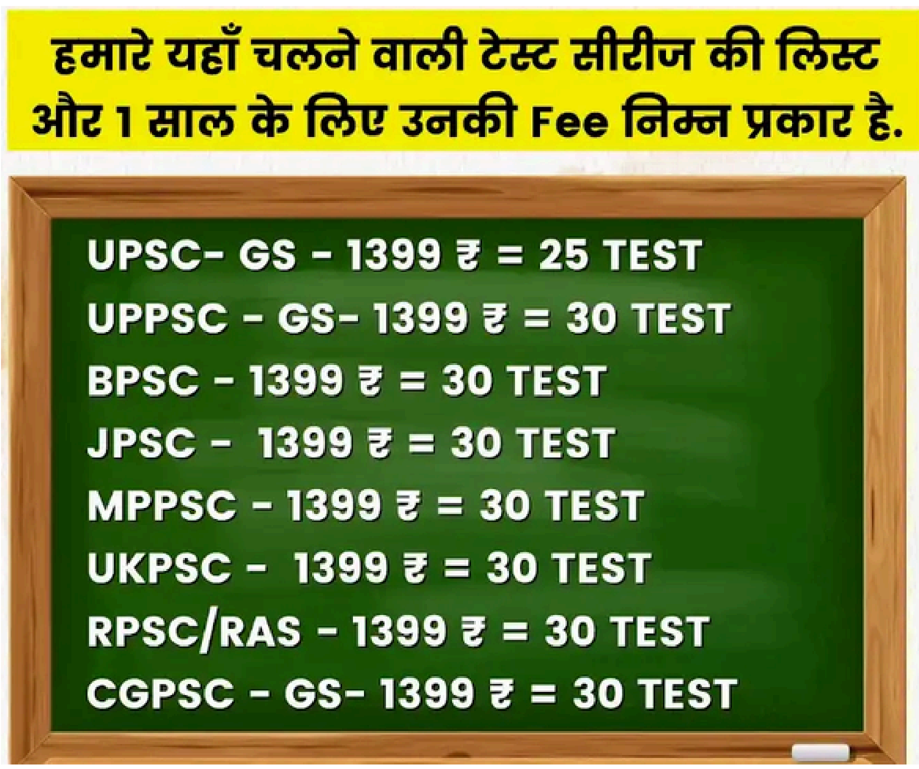

बहुउद्देशीय पोत उत्कर्ष का विमोचन

हाल ही में भारतीय नौसेना के लिए मेसर्स L&T शिपयार्ड द्वारा निर्मित दूसरा बहुउद्देशीय पोत (MPV) उत्कर्ष L&T शिपयार्ड कट्टुपल्ली चेन्नई में लॉन्च किया गया।

- जहाज का नाम उत्कर्ष रखा गया है जिसका अर्थ है आचरण में श्रेष्ठ
- यह परियोजना भारतीय नौसेना के स्वदेशी जहाज निर्माण के प्रयासों के साथ-साथ भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- यह पोत जहाजों को खींचने में सक्षम है
- यह मानव रहित स्वायत्त वाहनों को संचालित कर सकता है।
- यह समुद्री निगरानी मानवीय सहायता और समुद्री प्रदूषण से निपटने जैसे कार्यों में भी उपयोगी है।
- एल एंड टी शिपयार्ड भारतीय नौसेना के लिए जहाज बनाता है
- यह तमिलनाडु के कट्टुपल्ली में है।
- यह आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहलों से जुड़ा है।

पोत उत्कर्ष के विमोचन का महत्व

1. राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा में वृद्धि:
   - यह पोत भारत की समुद्री सीमाओं की निगरानी को और मजबूत करेगा।
   - समुद्री क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद करेगा।
2. आपदा प्रबंधन:
   - प्राकृतिक आपदाओं (जैसे सुनामी, चक्रवात) के दौरान यह पोत बचाव और राहत कार्यों को तेज और प्रभावी बनाएगा।
3. ब्लू इकॉनमी (Blue Economy) को बढ़ावा:
   - यह पोत समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और अनुसंधान में सहायता करेगा।
   - भारत की समुद्री अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सहायक होगा।
4. आत्मनिर्भर भारत पहल:
   - 'उत्कर्ष' का निर्माण भारत में स्वदेशी तकनीक और मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत किया गया है।
   - यह भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सहायक है।
5. पर्यावरणीय सुरक्षा:
   - यह पोत समुद्र में होने वाले प्रदूषण की निगरानी और नियंत्रण में मदद करेगा।
   - तेल रिसाव जैसी घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए इसे विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

Result Mitra

कैंसर कोशिकाओं के लिए इम्यूनोथेरेपी

इम्यूनोथेरेपी एक आधुनिक कैंसर उपचार विधि है। जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सशक्त बनाकर कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में मदद करती है।

- यह उपचार कैंसर कोशिकाओं की पहचानकर उन्हें नष्ट करने के लिए इम्यून सिस्टम को प्रशिक्षित करता है। जिससे स्वस्थ कोशिकाओं को कम नुकसान होता है और मरीज की जीवन गुणवत्ता में सुधार होता है।

इम्यूनोथेरेपी के प्रमुख लाभ

- कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करना
- स्वस्थ कोशिकाओं को कम नुकसान
- दीर्घकालिक प्रतिरक्षा

Result Mitra

कैंसर कोशिकाओं के लिए इम्यूनोथेरेपी

इम्यूनोथेरेपी: क्या है?

- परिभाषा:
- इम्यूनोथेरेपी एक ऐसी चिकित्सा तकनीक है, जिसमें शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ मजबूत किया जाता है।
- लक्ष्य:
- कैंसर कोशिकाओं को पहचानने, हमला करने और उन्हें खत्म करने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को सशक्त बनाना।

इम्यूनोथेरेपी के प्रकार

इम्यूनोथेरेपी को कई श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है, जो विभिन्न प्रकार के कैंसर के इलाज में उपयोगी हैं।

- मोनोक्लोनल एंटीबॉडी (Monoclonal Antibodies):
  - यह कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई प्रोटीन-आधारित थेरेपी है।
  - उदाहरण:
    - ट्रास्टुजुमैब (Herceptin) – ब्रेस्ट कैंसर में उपयोगी।
    - रिटुक्सिमैब (Rituximab) – लिंफोमा के लिए।
- इम्यून चेकपॉइंट इनहिबिटर (Immune Checkpoint Inhibitors):
  - यह प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को रोकने वाले प्रोटीन (जैसे PD-1, CTLA-4) को अवरुद्ध करता है।
  - उदाहरण:
    - निमोलुमैब (Nivolumab), पेम्ब्रोलिजुमैब (Pembrolizumab)।
- टी-सेल थेरेपी (T-cell Therapy):
  - मरीज की प्रतिरक्षा प्रणाली के टी-सेल्स (T-cells) को संशोधित करके उन्हें कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए सक्षम बनाया जाता है।
  - CAR-T थेरेपी (Chimeric Antigen Receptor-T Therapy) इसका प्रमुख उदाहरण है।

1. वैक्सीन आधारित थेरेपी (Cancer Vaccines):
    - ये विशेष रूप से कैंसर के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
    - उदाहरण:
        - HPV वैक्सीन (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए)।
2. साइटोकाइन थेरेपी (Cytokine Therapy):
    - इसमें इंटरफेरॉन और इंटरल्यूकिन जैसे प्रोटीन का उपयोग शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बढ़ाने के लिए किया जाता है।

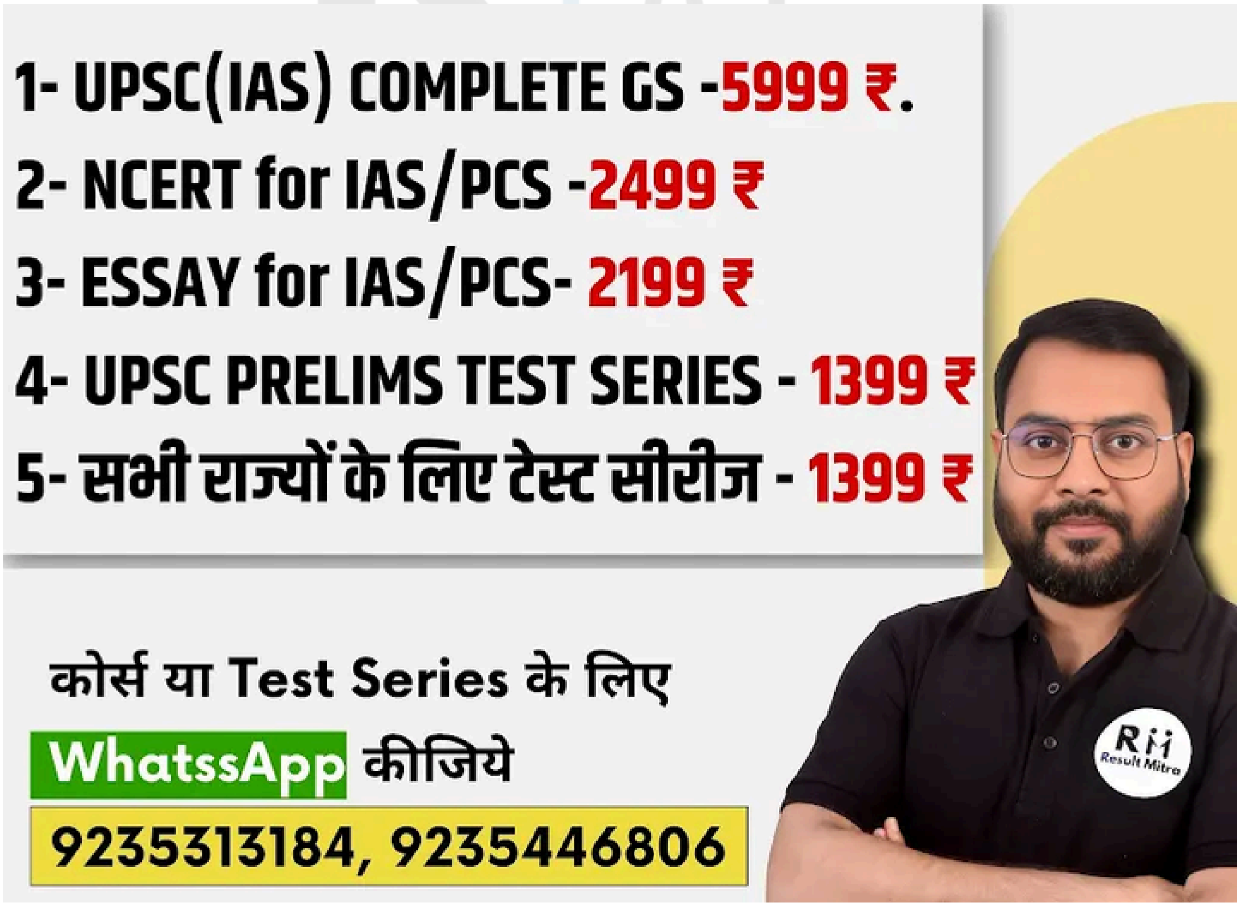

गंगा और बंगाल की खाड़ी का संगम गंगासागर मेला

गंगासागर मेला – पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित गंगासागर में प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होता है।

- यह मेला कुंभ मेले के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन माना जाता है।

- इस वर्ष लगभग 30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगासागर में डुबकी लगाई।

Result Mitra